



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यपालन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 25 दिसम्बर, 1993/4 पोष, 1915

हिमाचल प्रदेश सरकार

तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 2 दिसम्बर, 1993

संख्या एस० टी० बी० (टी० ई०) ए० (३) ५/८६-१.—भारत के राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में सिविल इंजीनियरिंग में वरिष्ठ व्याख्याता (वर्ग-१ राजपत्रित) पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपाबंध "अ" के अनुसार भर्ती एवं प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

१. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(१) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में सिविल इंजीनियरिंग में वरिष्ठ व्याख्याता (वर्ग-१ राजपत्रित) पद भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, १९९३ है।

(२) ये नियम तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवम् औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हिमाचल प्रदेश में सिविल इंजीनियरिंग में बरिष्ठ व्याख्याता पद के भर्ती एवम् प्रोन्नति नियम

1. पद का नाम सिविल इंजीनियरिंग में बरिष्ठ व्याख्याता ।
2. पदों की संख्या 2 (दो) ।
3. वर्गीकरण बर्ग-I (राजपत्रित) ।
4. वेतनमान रुपये 3000—5000+200 विशेष वेतन ।
5. चयन पद अथवा अचयन पद चयन पद ।
6. सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु । लागू नहीं ।
7. सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं ।
 - (i) अतिवार्य : लागू नहीं ।
 - (ii) वांछनीय अर्हताएं :
हिमाचल प्रदेश की रुढ़ियों, रीतियों और बोलियों का ज्ञान और प्रदेश में विद्यमान वसाओं में नियुक्ति के लिए उपयुक्तता विलक्षण ।
8. सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षणिक अर्हताएं, प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं । आयु : लागू नहीं ।
अनिवार्य अर्हताएं : लागू नहीं ।
9. परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से अधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आदेश दे ।
10. भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानांतरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता । शत-प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ।
11. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानांतरण की दशा में श्रेणियां, जिनसे प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानांतरण किया जाएगा । बहुतकनीकी की सिविल इंजीनियरिंग शाखा के व्याख्याता में से जिनके पास सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि या उसके समतुल्य या टी0टी0आई0 डिप्लोमा सहित, सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा और पांच वर्ष का नियमित सेवाकाल या (31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा सहित) संयुक्त नियमित सेवाकाल हों, प्रोन्नति द्वारा ।

टिप्पणी 1.—प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में ब्यावहित सेवाकाल के निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, हिसाब में ली जाएगी :—

(ग) उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपनी कुल सेवाकाल (31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा को सम्मिलित करके) के आधार पर उपर्युक्त निदिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है वहां उससे अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु उन सभी पदाधिकारियों को जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता है कम से कम तीन वर्ष न्यूनतम अग्रता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होनी चाहिए :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा ।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि ज्येष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मेड फोरसिज परसोनल (रिजर्वेशन आफ वैकेन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान टैक्नीकल) सर्विसिज रूल्ज, 1972 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो और इसके अधीन ज्येष्ठता का लाभ दिया गया हो या एक्स सर्विसमें रिजर्वेशन आफ (वैकेन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्ज, 1985 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा तदधीन ज्येष्ठता का लाभ दिया गया हो ।

(ख) इसी प्रकार स्थाईकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व 31-3-1991 तक सम्भरण पद पर की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो को सेवा-काल के लिए गणना में ली जाएगी :

परन्तु 31-3-1991 तक तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा, उसके फलस्वरूप पारस्परिक ज्येष्ठता अपरिवर्तित रहेगी ।

टिप्पणी-2.—जब कभी नियम 2 के अनुसार पदों में बढौतरी अथवा कमी होती है तो नियम 10 और 11 के उपबन्ध सरकार द्वारा लोक सेवा आयोग के परामर्श से पुनरीक्षित किये जाएंगे ।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान हो तो उसकी संरचना । जैसा कि सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाए ।
13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा । जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित है ।
14. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा । लागू नहीं ।
15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन । लागू नहीं ।
16. आरक्षण । उक्त सेवा में नियुक्ति हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में आरक्षण की बाबत जारी किए गए आदेशों के अधीन होगी ।

17. विभागीय परीक्षा

(1) सेवा में प्रत्येक सदस्य को समय-समय पर यथा संशोधित विभागीय परीक्षा नियम, 1976 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी अन्यथा वह निम्नलिखित के लिए पात्र नहीं होगा :—

(i) आगामी देय दक्षता रोध पार करने के लिए परिवीक्षा अवधि के पूर्ण होने से पश्चात् भी स्थाईकरण के लिए,

और

(ii) अगले उच्चतर पद पर प्रोन्नति के लिए :

परन्तु उस अधिकारी से जिसने इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व इन्हीं नियमों में विहित पूर्णतया या अंशतः विभागीय परीक्षा पास की है, यथास्थिति पूर्णतः या अंशतः परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, उससे उन नियमों के अधीन विहित परीक्षा (विभागीय) पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और भी कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने

1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की थी उससे 50 वर्ष की आयु के पश्चात् निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

- (i) आगामी दैन्य दक्षता रोध पार करने के लिए,
- (ii) परीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात् स्थायीकरण के लिए ।

(2) किसी अधिकारी से अपनी प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में उच्चतर पद पर प्रोन्नति पर उपर्युक्त परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी यदि निम्नतम राजपत्रित पद पर ऐसी परीक्षा पहले ही पास कर ली है ।

(3) सरकार, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से असाधारण परिस्थितियों में और कारणों को अमिलिखित करके विभागीय परीक्षा नियमों के अनुसार किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की विभागीय परीक्षा से पूर्णतः या अंशतः छूट मंजूर कर सकेगी परन्तु यह तब जब कि ऐसे अधिकारी पर उसकी अधिवृत्ति की आयु प्राप्त करने की तारीख से पूर्व किसी अन्य उच्चतर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना सम्भव नहीं है ।

18. शिथिल करने की शक्ति

जहाँ राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक है या समीचीन है, तो वह कारणों को अमिलिखित करके और लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत शिथिल कर सकेगी ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
वितायुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. STV (TE) A (3)-5/86-I, dated 2-12-1993 as required under Article 343 (3) of the Constitution of India].

TECHNICAL EDUCATION, VOCATIONAL AND INDUSTRIAL TRAINING DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 2nd December, 1993

No. STV. (TE)A(3)-5/86-I.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the President of India, in consultation with the Himachal Pradesh

Public Service Commission, is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules, for the post of Senior Lecturer in Civil Engineering (Class-I Gazetted) in the Department of Technical Education, Vocational and Industrial Training, Himachal Pradesh as per Annexure-A attached to this notification, namely :—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh, Technical Education & Industrial Training Department, Senior Lecturer in Civil Engineering (Class-I Gazetted) Recruitment & Promotion Rules, 1993.

(2) These shall come into force with immediate effect.

ANNEXURE—A

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF SENIOR LECTURER IN CIVIL ENGINEERING IN THE DEPARTMENT OF TECHNICAL EDUCATION IN THE HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT

- | | |
|---|---------------------------------------|
| 1. Name of the post | Senior Lecturer in Civil Engineering. |
| 2. Number of posts | 2 (Two). |
| 3. Classification | Class-I (Gazetted). |
| 4. Scale of pay | Rs. 3000—5000 plus Rs. 200/- S.P. |
| 5. Whether selection post or non-selection. | Selection. |
| 6. Age for direct recruitment | N. A. |
| 7. Minimum Educational and other qualifications required for direct recruits. | (i) <i>Essential</i> N.A. |

(ii) *Desirable Qualifications :*

Knowledge of customs, manners, and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.

- | | |
|--|---|
| 8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees ? | Age N. A.
E. Q. N.A. |
| 9. Period of probations, if any | Two years subject to such further extension for a period of not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing. |

10. Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be of filled in by various methods. 100% by promotion.

11. In case of recruitment by promotion, deputation, transfer, grades, from which promotion/deputation/transfer is to be made. By promotion from amongst Lecturers in Civil Engineering Branch of Polytechnics, who possess Bachelor's Degree in Civil Engineering or its equivalent or Diploma in Civil Engineering with TTTI Diploma and have five years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service (rendered upto 31-3-91) as Lecturer in Civil Engineering.

Note 1—In all cases of promotion, the *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1991, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these Rules for promotion, subject to the condition :—

(a) that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1991) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a senior person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not rendered the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible person(s) happened to be Ex-service-men recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having

been given the benefit of seniority thereunder as recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(b) Similarly, in all cases of confirmation, *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1991, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered upto 31-3-1991 shall remain unchanged.

Note 2—Provisions of Rules 10 and 11 are to be revised by the Government in consultation with the Commission as and when the number of posts under Rule 2 are increased.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.

As may be constituted by the Government from time to time.

13. Circumstances under which the Himachal Pradesh Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.

As required under the law.

14. Essential requirement for a direct recruitment.

N. A.

15. Selection for appointment to the post by direct recruitment.

N. A.

16. Reservation

The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Backward Classes/Other Categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

17. Departmental Examination

(1) Every member of the service shall pass a Departmental Examination as prescribed in the Departmental Rules, 1976 as amended from time to time, failing which he shall not be eligible to:—

- (i) cross the efficiency bar next due;
- (ii) confirmation in the service even after completion of probationary period; and

(iii) promotion to the next higher post:

Provided that an officer who has qualified the Departmental Examination in whole or in part prescribed under any rule before the notification of these rules shall not be required to qualify the whole or in part, of the examination as the case maybe:

Provided further that an Officer for whom no Departmental Examination was prescribed prior to the notification of these rules who has attained the age 45 years on the 1st March, 1976 shall not to be required to qualify the Departmental Examination prescribed under these Rules:

Provided further that an officer for whom no Departmental Examination was prescribed prior to the notification of these rules and who has not attained the age of 45 years on 1-3-1976 shall not be required to qualify the Departmental Examination prescribed under these rules after attaining the age of 50 years for the purpose of (i) crossing the efficiency bar next due and (ii) confirmation in the service after completion of probationary period.

(2) An officer on promotion to higher post in his direct line of promotion shall not be required to pass the aforesaid examination if he has already passed the same in the lower gazetted post.

(3) The Government may in consultation with the Public Service Commission, grant in exceptional circumstances and for reasons to be recorded in writing, exemption in accordance with the Departmental Examination Rules to any class or category of persons from the Departmental Examination in whole or in part provided that such officer is not likely to be considered for any other higher promotion before the date of his superannuation.

18. Power to relax.

Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so it may by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

By order.

Sd/-

Financial Commissioner-cum-Secretary.

